Global Health Advocacy Incubator

उक्त रक्तचाप प्रबंधन समय की मांग : डॉ. विनय मिश्रा

स्वतंत्र भारत संवाददाता,लखनऊ। उच्च रक्तचाप से ग्रस्त व्यक्तियों की जांच में सुधार के लिए उत्तर प्रदेश में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल को और

उच्च रक्तचाप की रोकथाम व देखभाल पर कार्यशाला

मजबूत करना समय की मांग है। उच्च रक्तचाप को भारत में शीर्ष साइलेंट किलर में से एक माना जाता है। उच्च रक्तचाप के इस विनाशकारी प्रभाव पर डब्ल्यूएचओ की हालिया रिपोर्ट से पता चलता है, कि अगर समय पर इसका पता चल जाए और इलाज किया जाए तो 2040 तक 46 लाख लोगों की जान बचाई जा सकती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 188.3 मिलियन भारतीय उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं, जिनमें से

केवल 37 प्रतिशत का पता चला है और 30 फीसद उपचार प्राप्त कर रहे हैं। उक्त जानकारियां कंज्यूमर गिल्ड द्वारा कंज्यूमर वॉयस, नई दिल्ली की साझेदारी में गैर संचारी रोग के बढ़ते बोझ और भारत में उच्च रक्तचाप की रोकथाम और देखभाल विषय पर आयोजित कार्यशाला में दी गईं। भारत में गैर संचारी रोग तेजी से बढ़ रहे हैं, जो सभी मौतों का लगभग 63 प्रतिशत है, हाल ही में आयोजित हितधारक परामर्श में उच्च रक्तचाप को रोकने और इलाज करने पर ध्यान केंद्रित किया गया था। जो समय से पहले मौत और रुग्णता के लिए एक प्रमुख जोखिम कारक है। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि डा.विनय मिश्रा उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी लखनऊ और सतीश त्रिपाठी राज्य सलाहकार गैर संचारी रोग, तम्बाकू नियंत्रण, डा.अभिनव केडिया स्वास्थ्य अधिकारी विश्व स्वास्थ्य संगठन, डा.रजनी गंधा बलरामपुर अस्पताल और निलांजना बोस प्रोजेक्ट लीड कन्ज्यूमर वॉयस नई दिल्ली मौजूद रहे। इस मौके पर विशेषज्ञों ने उच्च रक्तचाप का शीघ्र पता लगाने और उपचार करने और रक्तचाप को नियंत्रित करने के लिए जीवनशैली में संशोधन करने जैसे महत्वपूर्ण कारकों पर चर्चा की। विषय के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अनियंत्रित उच्च रक्तचाप कई जटिलताओं को जन्म दे सकता है और इसलिए शीघ्र पता लगाने और बेहतर नियंत्रण से हमारे राज्य और देश को उच्च रक्तचाप के कारण होने वाली रुग्णता और मौतों से बचाने में मदद मिल सकती है। यह स्वीकार करते हुए कि राज्य में उच्च रक्तचाप को कम करने के लिए स्क्रीनिंग और फॉलोअप महत्वपूर्ण है। डॉ.विनय मिश्रा, उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी, लखनऊ ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा नियमित स्क्रीनिंग को प्राथमिकता दी गई है और इससे हमें उन क्षेत्रों, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिली है, जहां जागरूकता के निम्न स्तर के साथ उच्च रक्तचाप से ग्रस्त व्यक्तियों की व्यापकता अधिक है। स्क्रीनिंग प्रक्रिया को मजबूत करना और आशा कार्यकर्ताओं और स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ताओं को सक्रिय रूप से शामिल करना महत्वपूर्ण है। नोडल अधिकारी डा.सतीश त्रिपाठी ने भी उच्च रक्तचाप का शीघ्र पता लगाने के महत्व पर जोर दिया, जिससे सैकड़ों लोगों की जान बचाई जा सकती है।

समावेशन पर

Clip 2

उच्च रक्तचाप से ग्रस्त व्यक्तियों की जांच में सुधार के लिए उत्तर प्रदेश में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल को और मजबूत करना समय की मांग

बिजनौर टुडे खुर्शीद आलम
लखनऊ संवाददाता

लखनऊ। उच्च रक्तचाप को भारत में शीर्ष साइलेंट किलर में से एक माना जाता है। भारत में गैर-संचारी रोग (एनसीडी) तेजी से बढ़ रहे हैं, जो सभी मौतों का लगभग 63 प्रतिशत है, उच्च रक्तचाप के प्रभाव पर डब्ल्यूएचओ की हालिया रिपोर्ट से पता चलता है कि अगर समय पर इसका पता चल जाए और इलाज किया जाए तो 2040 तक 46 लाख लोगों की जान बचाई जा सकती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 188.3 मिलियन भारतीय उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं, जिनमें से केवल 37 प्रतिशत का पता चला है और 30 प्रतिशतउपचार प्राप्त कर रहे हैं। इसी पृष्ठभूमि में कंज्यूमर गिल्ड द्वारा कंज्यूमर वॉयस, नई दिल्ली के साथ साझेदारी में 23 सितंबर, 2023 को लखनऊ में एनसीडी के बढ़ते बोझ और भारत में उच्च रक्तचाप की रोकथाम और देखभाल पर एक महत्वपूर्ण हितधारक परामर्श आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डाक्टर विनय मिश्रा, उप मुख्य चिकित्सा

अधिकारी, लखनऊ, सतीश त्रिपाठी, राज्य सलाहकार गैर संचारी रोग, तम्बाकू नियंत्रण, डाक्टर अभिनव केडिया, स्वास्थ्य अधिकारी विश्व स्वास्थ्य संगठन डाक्टर रजनी गंधा, बलरामपुर अस्पताल लखनऊ, निलांजना बोस, प्रोजेक्ट लीड, कन्जयूमर वॉयस नई दिल्ली, उपस्थित रहें। जैसे डॉक्टरों और विशेषज्ञों की गरिमामय उपस्थिति देखी गई, जिसमें उच्च रक्तचाप का शीघ्र पता लगाने और उपचार करने और रक्तचाप को नियंत्रित करने के लिए जीवनशैली में संशोधन करने जैसे महत्वपूर्ण कारकों पर चर्चा की गई। यह स्वीकार करते हुए कि राज्य में उच्च रक्तचाप को कम करने के लिए स्क्रीनिंग और फॉलो-अप महत्वपूर्ण है, डॉ. विनय मिश्रा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा नियमित स्क्रीनिंग को प्राथमिकता दी गई है और इससे हमें उन क्षेत्रों, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों को पहचान करने में मदद मिली है। नोडल अधिकारी डाक्टर सतीश त्रिपाठी, ने भी उच्च रक्तचाप का शीघ्र पता लगाने के महत्व पर जोर दिया। हाल के राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के अनुसार, शहरी क्षेत्रों में महिलाओं में उच्च रक्तचाप का प्रसार 20.9 प्रतिशत और पुरुषों में 24.8 प्रतिशत है। यह उच्च रक्तचाप के निदान और उपचार की ओर ध्यान आकर्षित करता है। एनएफएचएस-5 डेटा के आंकड़ों का हवाला देते हुए, डॉ. अभिनव केडिया बताते हैं, उच्च रक्तचाप से जुड़ी रुग्णता और मृत्यु दर को रोकने के लिए उच्च रक्तचाप से ग्रस्त व्यक्तियों की जांच महत्वपूर्ण है। ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में भारत की अग्रणी प्राथमिक देखभाल के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल केंद्र उच्च रक्तचाप प्रोटोकॉल दवाओं की निर्बाध आपूर्ति और उपलब्धता के माध्यम से सरकार के प्रयासों का समर्थन करते हैं इसी भावना को व्यक्त करते हुए, एनसीडी बोझ को कम करने के लिए राज्य सरकार द्वारा की गई पहल की सराहना करते हुए, निलांजना बोस, प्रोजेक्ट लीड, कन्जयूमर वॉयस नई दिल्ली ने बताया कि उच्च रक्तचाप के खिलाफ लड़ाई प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल स्तर पर शुरू होनी चाहिए। प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल को मजबूत करने से न केवल मृत्यु दर में कमी आएगी बल्कि माध्यमिक और तृतीय देखभाल की आवश्यकता और इससे संबंधित लागत में भी काफी कमी आएगी। डाक्टर रजनी गंधा ने कहा (एनसीडी) में भारी वृद्धि लोगों की जीवनशैली जैसे आहार, शारीरिक गतिविधि, तनाव के स्तर आदि के कारण बढ़ रही है। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए, कंज्यूमर गिल्ड के अभिषेक श्रीवास्तव ने एनसीडी दरों को कम करने के लिए जीवनशैली में संशोधन की आवश्यकता पर जोर दिया। इस बारे में बात करते हुए कि समय पर हस्तक्षेप रोगियों को स्ट्रोक और अंग क्षति जैसी गंभीर उच्च रक्तचाप की समस्याओं से कैसे बचा सकता है, सभी लोगों को समय समय पर अपना बी0पी0 अवश्य चेक करवाना चाहिए, सभी सरकारी अस्पतालों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर निःशुल्क चिकित्सा संबंधी परामर्श, दवा, उपलब्ध कराई जाती है सामान तौर पर सामान्य जीवन में साधारण बी0पी0 120-80 होना चाहिए, अगर किसी का बी0पी0 का ट्रीटमेंट ले रहे हैं तो जब तक डाक्टर न कहें दवा अवश्य लेते रहें। सरकारी अस्पतालों पर इलाज केन्द्र उपलब्ध है, वहां पर काउंसलिंग होती है, हर परिवार को इस हाईपरटेंशन मुद्दे पर संवेदनशील होना चाहिए, कार्य के दौरान 4-5 मिनट का ब्रेक लेना या अल्प विराम अवश्य चाहिए, जिससे कभी भी बी0पी0 की समस्या न हो।

Clip 3

'साइलेंट किलर है हाइपरटेंशन'

■ **एनबीटी, लखनऊः** 30 साल की उम्र के बाद सभी को साल में एक बार ब्लड प्रेशर की जांच जरूर करवानी चाहिए। हाइपरटेंशन और गैर संचारी बीमारियों पर हुई कार्यशाला में शनिवार को यूपी के कार्डियो वैस्कुलर ऑफिसर डॉ. अभिनव केडिया ने लोगों को यह सलाह दी। उन्होंने कहा कि हाइपरटेंशन साइलेंट किलर की तरह काम करता है। डब्ल्यूएचओ की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक देश में 18.83 करोड़ लोग हाई ब्लड प्रेशर से पीड़ित हैं। इनमें केवल 35 फीसदी लोग इलाज करवा रहे हैं। कार्यशाला में डिप्टी सीएमओ डॉ. विनय मिश्रा, गैर संचारी रोग राज्य सलाहकार सतीश त्रिपाठी, डॉ. रजनी गंधा मौजूद रहे।

Clip 4

बीपी नियंत्रित होने पर भी बगैर परामर्श न छोड़ें दवा

लखनऊ। डिप्टी सीएमओ डॉ. विनय मिश्रा ने कहा कि खराब लाइफस्टाइल की वजह से लोगों में ब्लड प्रेशर की समस्या बढ़ती जा रही है। बीपी बढ़ने पर लोगों को शुरुआत में पता नहीं चलता। यही वजह है कि इसे साइलेंट किलर कहा जाता है। वे शनिवार को गोमतीनगर के एक होटल में कंज्यूमर गिल्ड की ओर से गैर संचारी रोग, उच्च रक्तचाप की रोकथाम व देखभाल विषय पर हुई कार्यशाला में बोल रहे थे। उन्होंने कहा हर व्यक्ति को साल में एक बार ब्लड प्रेशर की जांच करानी चाहिए, ताकि बीमारी की समय पर पहचान हो सके। डॉ. मिश्रा ने बताया कि शहरी-ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों में बीपी की जांच संग इलाज की व्यवस्था है। लोग स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर अपना ब्लड प्रेशर चेक कराते रहें। जांच रिपोर्ट सामान्य न हो तो डॉक्टरी सलाह पर इलाज कराएं। (माई सिटी रिपोर्टर)

Clip 5

उक्त रक्तचाप प्रबंधन समय की मांग,स्वास्थ्य केंद्रों की भूमिका अहम

लोकमित्र ब्यूरो

प्रयागराज। उच्च रक्तचाप को भारत में शीर्ष साइलेंट किलर में से एक माना जाता है। भारत में गैर-संचारी रोग (एनसीडी) तेजी से बढ़ रहे हैं, जो सभी मौतों का लगभग 63 प्रतिशत है, उच्च रक्तचाप के प्रभाव पर डब्ल्यूएचओ की हालिया रिपोर्ट से पता चलता है कि अगर समय पर इसका पता चल जाए और इलाज किया जाए तो 2040 तक 46 लाख लोगों की जान बचाई जा सकती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 188.3 मिलियन भारतीय उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं, जिनमें से केवल 37त का पता चला है और 30त उपचार प्राप्त कर रहे हैं।

इसी पृष्ठभूमि में कंज्यूमर गिल्ड द्वारा कंज्यूमर वॉयस, नई दिल्ली के साथ साझेदारी में आज एनसीडी के बढ़ते बोझ और भारत में उच्च रक्तचाप की रोकथाम और देखभाल पर एक महत्वपूर्ण हितधारक परामर्श आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य

अतिथि के रूप में डाक्टर विनय मिश्रा, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, लखनऊ, सतीश त्रिपाठी, राज्य सलाहकार, गैर संचारी रोग, तम्बाकू नियंत्रण, डाक्टर अभिनव केडिया, स्वास्थ्य अधिकारी विश्व स्वास्थ्य संगठन, डाक्टर रजनी गंधा, बलरामपुर अस्पताल लखनऊ, निलांजना बोस, प्रोजेक्ट लीड, कन्जयूमर वॉयस नई दिल्ली, उपस्थित रहे।

जिसमें उच्च रक्तचाप का शीघ्र पता लगाने और उपचार करने और रक्तचाप को नियंत्रित करने के लिए जीवनशैली में संशोधन करने जैसे महत्वपूर्ण कारकों पर चर्चा की गई। यह स्वीकार करते हुए कि राज्य में उच्च रक्तचाप को कम करने के लिए स्क्रीनिंग और फॉलो-अप महत्वपूर्ण है, डॉ. विनय मिश्रा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा नियमित स्क्रीनिंग को प्राथमिकता दी गई है और इससे हमें उन क्षेत्रों, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिली है। नोडल अधिकारी डाक्टर सतीश त्रिपाठी, ने भी उच्च रक्तचाप का शीघ्र पता लगाने के महत्व पर जोर दिया।

Clip 6

उक्त रक्तचाप प्रबंधन समय की मांग स्वास्थ्य केंद्रों की भूमिका अहम

⇨ उच्च रक्तचाप से ग्रस्त व्यक्तियों की जांच में सुधार के लिए उत्तर प्रदेश में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल को और मजबूत करना समय की मांग है

रणजीत सिंह ब्यूरो लखनऊ। उच्च रक्तचाप को भारत में शीर्ष साइलेंट किलर में से एक माना जाता है। भारत में गैर-संचारी रोग (एनसीडी) तेजी से बढ़ रहे है, जो सभी मौतों का लगभग 63 प्रतिशत है, उच्च रक्तचाप के प्रभाव पर डब्ल्यूएचओ की हालिया रिपोर्ट से पता चलता है कि अगर समय पर इसका पता चल जाए और इलाज किया जाए तो 2040 तक 46 लाख लोगों की जान बचाई जा सकती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 188.3 मिलियन भारतीय उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं, जिनमे से केवल 37 प्रतिशत का पता चला है और 30 प्रतिशत उपचार प्राप्त कर रहे है। इसी पृष्ठभूमि में कंज्यूमर गिल्ड द्वारा कंज्यूमर वॉयस, नई दिल्ली के साथ साझेदारी में 23 सितंबर, 2023 को लखनऊ में एनसीडी के बढ़ते बोझ और भारत में उच्च रक्तचाप की रोकथाम और देखभाल पर एक महत्वपूर्ण हितधारक परामर्श आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डाक्टर विनय मिश्रा, उप मुख्य

चिकित्सा अधिकारी, लखनऊ, सतीश त्रिपाठी, राज्य सलाहकार (एनसीडी) गैर संचारी रोग, तम्बाकू नियंत्रण, डाक्टर अभिनव केडिया, स्वास्थ्य अधिकारी विश्व स्वास्थ्य सगठन, डाक्टर रजनी गंधा, बलरामपुर अस्पताल लखनऊ, निलांजना बोस, प्रोजेक्ट लीड, कन्जयूमर वॉयस नई दिल्ली, उपस्थित रहें। जैसे डॉक्टरों और विशेषज्ञो की गरिमामय उपस्थिति देखी गई, जिसमें उच्च रक्तचाप का शीघ्र पता लगाने और उपचार करने और रक्तचाप को नियंत्रित करने के लिए जीवनशैली मे संशोधन करने जैसे महत्वपूर्ण कारको पर चर्चा की गई। यह स्वीकार करते हुए कि राज्य मे उच्च रक्तचाप को कम करने के लिए स्क्रीनिंग और फॉलो-अप महत्वपूर्ण है।

डॉ. विनय मिश्रा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा नियमित स्क्रीनिंग को प्राथमिकता दी गई है और इससे हमे उन क्षेत्रो, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिली है। नोडल अधिकारी डाक्टर सतीश त्रिपाठी, ने भी उच्च रक्तचाप का शीघ्र पता लगाने के महत्व पर जोर दिया। हाल के राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के अनुसार, शहरी क्षेत्रों में महिलाओं मे उच्च रक्तचाप का प्रसार 20.9 प्रतिशत और पुरुषों में 24.8 प्रतिशत है। यह उच्च रक्तचाप के निदान और उपचार की ओर ध्यान आकर्षित करता है। एनएफएचएस-5 डेटा के आकड़ों का हवाला देते हुए, डॉ. अभिनव केडिया बताते है, उच्च रक्तचाप से जुड़ी रुग्णता और मृत्यु दर को रोकने के लिए उच्च रक्तचाप से ग्रस्त व्यक्तियों की जांच महत्वपूर्ण है। ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों मे भारत की अग्रणी प्राथमिक देखभाल के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश मे प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल केंद्र उच्च रक्तचाप प्रोटोकॉल दवाओं की निर्बाध आपूर्ति और उपलब्धता के माध्यम से सरकार के प्रयासो का समर्थन करते है इसी भावना को व्यक्त करते हुए, एनसीडी बोझ को कम करने के लिए राज्य सरकार द्वारा की गई पहल की सराहना करते हुए, निलांजना बोस, प्रोजेक्ट लीड, कन्जयूमर वॉयस नई दिल्ली ने बताया कि उच्च रक्तचाप के खिलाफ लड़ाई प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल स्तर पर शुरू होनी चाहिए। प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल को मजबूत करने से न केवल मृत्यु दर में कमी आएगी बल्कि माध्यमिक और तृतीय देखभाल की आवश्यकता और इससे संबंधित लागत मे भी काफी कमी आएगी। डाक्टर रजनी गंधा ने कहा (एनसीडी) में भारी वृद्धि लोगो की जीवनशैली जैसे आहार, शारीरिक गतिविधि, तनाव के स्तर आदि के कारण बढ़ रही है। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए, कंज्यूमर गिल्ड के अभिषेक श्रीवास्तव ने एनसीडी दरो को कम करने के लिए जीवनशैली में संशोधन की आवश्यकता पर जोर दिया। इस बारे में बात करते हुए कि समय पर हस्तक्षेप रोगियों को स्ट्रोक और अंग क्षति जैसी गंभीर उच्च रक्तचाप की समस्याओ से कैसे बचा सकता है, सभी लोगों को समय समय पर अपना बी0पी0 अवश्य चेक करवाना चाहिए, सभी सरकारी अस्पतालों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर निःशुल्क चिकित्सा संबंधी परामर्श, दवा, उपलब्ध कराई जाती है।

Clip 7

Global Health Advocacy Incubator

उच्च रक्तचाप से ग्रस्त व्यक्तियों की जांच में सुधार के लिए उप्र में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल को और मजबूत करना समय की मांग

उक्त रक्तचाप प्रबंधन समय की मांग स्वास्थ्य केंद्रों की भूमिका अहम

सरिता प्रसाद ब्यूरो

लखनऊ। उच्च रक्तचाप को भारत में शीर्ष साइलेंट किलर में से एक माना जाता है। भारत में गैर-संचारी रोग (एनसीडी) तेजी से बढ़ रहे हैं, जो सभी मौतों का लगभग 63 प्रतिशत है, उच्च रक्तचाप के प्रभाव पर डब्ल्यूएचओ की हालिया रिपोर्ट से पता चलता है कि अगर समय पर इसका पता चल जाए और इलाज किया जाए तो 2040 तक 46 लाख लोगों की जान बचाई जा सकती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 188.3 मिलियन भारतीय उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं, जिनमें से केवल 37% का पता चला है और 30% उपचार प्राप्त कर रहे हैं।

इसी पृष्ठभूमि में कंज्यूमर गिल्ड द्वारा कंज्यूमर वॉयस, नई दिल्ली के साथ साझेदारी में 23 सितंबर, 2023 को लखनऊ में एनसीडी के बढ़ते बोझ और भारत में उच्च रक्तचाप की रोकथाम और देखभाल पर एक महत्वपूर्ण हितधारक परामर्श आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डाक्टर विनय मिश्रा, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, लखनऊ, सतीश त्रिपाठी, राज्य सलाहकार गैर संचारी रोग, तम्बाकू नियंत्रण, डाक्टर अभिनव केडिया, स्वास्थ्य अधिकारी विश्व स्वास्थ्य संगठन, डाक्टर रजनी गंधा, बलरामपुर अस्पताल लखनऊ, निलांजना बोस, प्रोजेक्ट लीड, कन्ज्यूमर वॉयस नई दिल्ली, उपस्थित रहें।

जैसे डॉक्टरों और विशेषज्ञों की गरिमामय उपस्थिति देखी गई, जिसमें उच्च रक्तचाप का शीघ्र पता लगाने और उपचार करने और रक्तचाप को नियंत्रित करने के लिए जीवनशैली में संशोधन करने जैसे महत्वपूर्ण कारकों पर चर्चा की गई। यह स्वीकार करते हुए कि राज्य में उच्च रक्तचाप को कम करने के लिए स्क्रीनिंग और फॉलो-अप महत्वपूर्ण है, डॉ. विनय मिश्र ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा नियमित स्क्रीनिंग को प्राथमिकता दी गई है और इससे हमें उन क्षेत्रों, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिली है।

नोडल अधिकारी डाक्टर सतीश त्रिपाठी, ने भी उच्च रक्तचाप का शीघ्र पता लगाने के महत्व पर जोर दिया। हाल के राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के अनुसार, शहरी क्षेत्रों में महिलाओं में उच्च रक्तचाप का प्रसार 20.9 प्रतिशत और पुरुषों में 24.8 प्रतिशत है। यह उच्च रक्तचाप के निदान और उपचार की ओर ध्यान आकर्षित करता है। एनएफएचएस-5 डेटा के आंकड़ों का हवाला देते हुए, डॉ. अभिनव केडिया बताते हैं, उच्च रक्तचाप से जुड़ी रुग्णता और मृत्यु दर को रोकने के लिए उच्च रक्तचाप से ग्रस्त व्यक्तियों की जांच महत्वपूर्ण है। ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में भारत की अग्रणी प्राथमिक देखभाल के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल केंद्र उच्च रक्तचाप प्रोटोकॉल दवाओं की निर्बाध आपूर्ति और उपलब्धता के माध्यम से सरकार के प्रयासों का समर्थन करते हैं इसी भावना को व्यक्त करते हुए, एनसीडी बोझ को कम करने के लिए राज्य सरकार द्वारा की गई पहल की सराहना करते हुए, निलांजना बोस, प्रोजेक्ट लीड, कन्ज्यूमर वॉयस नई दिल्ली ने बताया कि उच्च रक्तचाप के खिलाफ लड़ाई प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल स्तर पर शुरू होनी चाहिए। प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल को मजबूत करने से न केवल मृत्यु दर में कमी आएगी बल्कि माध्यमिक और तृतीय देखभाल की आवश्यकता और इससे संबंधित लागत में भी काफी कमी आएगी।

डा. रजनीगंधा ने कहा (एनसीडी) में भारी वृद्धि लोगों की जीवनशैली जैसे आहार, शारीरिक गतिविधि, तनाव के स्तर आदि के कारण बढ़ रही है। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए, कंज्यूमर गिल्ड के अभिषेक श्रीवास्तव ने एनसीडी दरों को कम करने के लिए जीवनशैली में संशोधन की आवश्यकता पर जोर दिया। इस बारे में बात करते हुए कि समय पर हस्तक्षेप रोगियों को स्ट्रोक और अंग क्षति जैसी गंभीर उच्च रक्तचाप की समस्याओं से कैसे बचा सकता है, सभी लोगों को समय समय पर अपना बीपी अवश्य चेक करवाना चाहिए, सभी सरकारी अस्पतालों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर निःशुल्क चिकित्सा संबंधी परामर्श, दवा, उपलब्ध कराई जाती है सामान तौर पर सामान्य जीवन में साधारण बीपी 120-80 होना चाहिए, अगर किसी का बीपी का ट्रीटमेंट ले रहे हैं तो जब तक डाक्टर न कहें दवा अवश्य लेते रहें।

सरकारी अस्पतालों पर एनसीडीएस केन्द्र उपलब्ध है, वहां पर काउंसलिंग होती है, हर परिवार को इस इंपॉर्टेंट मुद्दे पर संवेदनशील होना चाहिए, कार्य के दौरान 4-5 मिनट का ब्रेक लेना या अन्य विश्राम अवश्य चाहिए, जिससे कभी भी बीपी की समस्या न हो।

Clip 8

उक्त रक्तचाप प्रबंधन समय की मांग

स्वास्थ्य केंद्रों की भूमिका अहम

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। उच्च रक्तचाप को भारत में शीर्ष साइलेंट किलर में से एक माना जाता है। भारत में गैर-संचारी रोग (एनसीडी) तेजी से बढ़ रहे हैं, जो सभी मौतों का लगभग 63 प्रतिशत है, उच्च रक्तचाप के प्रभाव पर डब्ल्यूएचओ की हालिया रिपोर्ट से पता चलता है कि अगर समय पर इसका पता चल जाए और इलाज किया जाए तो 2040 तक 46 लाख लोगों की जान बचाई जा सकती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 188.3 मिलियन भारतीय उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं, जिनमें से केवल 37त का पता चला है और 30त उपचार प्राप्त कर रहे हैं। इसी पृष्ठभूमि में कंज्यूमर गिल्ड द्वारा कंज्यूमर वॉयस, नई दिल्ली के साथ साझेदारी में 23 सितंबर, 2023 को लखनऊ में एनसीडी के बढ़ते बोझ और भारत में उच्च रक्तचाप की रोकथाम और देखभाल पर एक महत्वपूर्ण हितधारक परामर्श आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डाक्टर विनय मिश्रा, उप मुख्य चिकित्सा

अधिकारी, लखनऊ, सतीश त्रिपाठी, राज्य सलाहकार गैर संचारी रोग, तम्बाकू नियंत्रण, डाक्टर अभिनव केडिया, स्वास्थ्य अधिकारी विश्व स्वास्थ्य संगठन डब्ल्यूएचओ, डाक्टर रजनी गंधा, बलरामपुर अस्पताल लखनऊ, निलांजना बोस, प्रोजेक्ट लीड, कन्ज्यूमर वॉयस नई दिल्ली, उपस्थित रहें। जैसे डॉक्टरों और विशेषज्ञों की गरिमामय उपस्थिति देखी गई, जिसमें उच्च रक्तचाप का शीघ्र पता लगाने और उपचार करने और रक्तचाप को नियंत्रित करने के लिए जीवनशैली में संशोधन करने जैसे महत्वपूर्ण कारकों पर चर्चा की गई। यह स्वीकार करते हुए कि राज्य में उच्च रक्तचाप को कम करने के लिए स्क्रीनिंग और फॉलो-अप महत्वपूर्ण है, डॉ. विनय मिश्र ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा नियमित स्क्रीनिंग को प्राथमिकता दी गई है और इससे हमें उन क्षेत्रों, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिली है। नोडल अधिकारी डाक्टर सतीश त्रिपाठी, ने भी उच्च रक्तचाप का शीघ्र पता लगाने के महत्व पर जोर दिया। हाल के राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के अनुसार, शहरी क्षेत्रों में महिलाओं में उच्च रक्तचाप का प्रसार 20.9 प्रतिशत और पुरुषों में 24.8 प्रतिशत है। यह उच्च रक्तचाप के निदान और उपचार की ओर ध्यान आकर्षित करता है। एनएफएचएस-5 डेटा के आंकड़ों का हवाला देते हुए, डॉ. अभिनव केडिया बताते हैं, उच्च रक्तचाप से जुड़ी रुग्णता और मृत्यु दर को रोकने के लिए उच्च रक्तचाप से ग्रस्त व्यक्तियों की जांच महत्वपूर्ण है। ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में भारत की अग्रणी प्राथमिक देखभाल के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल केंद्र उच्च रक्तचाप प्रोटोकॉल दवाओं की निर्बाध आपूर्ति और उपलब्धता के माध्यम से सरकार के प्रयासों का समर्थन करते हैं इसी भावना को व्यक्त करते हुए, एनसीडी बोझ को कम करने के लिए राज्य सरकार द्वारा की गई पहल की सराहना करते हुए, निलांजना बोस, प्रोजेक्ट लीड, कन्ज्यूमर वॉयस नई दिल्ली ने बताया कि उच्च रक्तचाप के खिलाफ लड़ाई प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल स्तर पर शुरू होनी चाहिए।

Clip 9

11:21 82%

Lucknow city | My City | 14

परियोजना से जुड़े उद्यमी तथा कारीगरों के साथ व्यापक चर्चा की गई। इस दौरान भविष्य में किस प्रकार उन्हें अधिक से अधिक मात्रा में उत्कृष्ट उत्पादन, बेहतर मार्केटिंग, नये डिजाइन, पैटर्न तथा मूल्य संवर्धन का लाभ दिया जा सकता है, इस पर मंथन किया गया।

भ्रमण के दौरान सीएफसी के संचालक दल के साथ-साथ कारीगरों ने बताया कि सभी को लाभ मिल रहा है। इस क्षेत्र में अभी और अधिक संभावनाएं हैं। इनमें विशेष रूप से ऑनलाइन मार्केटिंग के क्षेत्र में उन्हें अधिक समर्थन की आवश्यकता है। व्यापारियों ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार तक सहज पहुंच में सहयोग की बात कही।

बीपी नियंत्रित होने पर भी बगैर परामर्श न छोड़ें दवा

लखनऊ। डिप्टी सीएमओ डॉ. विनय मिश्रा ने कहा कि खराब लाइफस्टाइल की वजह से लोगों में ब्लड प्रेशर की समस्या बढ़ती जा रही है। बीपी बढ़ने पर लोगों को शुरुआत में पता नहीं चलता। यही वजह है कि इसे साइलेंट किलर कहा जाता है। वे शनिवार को गोमतीनगर के एक होटल में कंज्यूमर गिल्ड की ओर से गैर संचारी रोग, उच्च रक्तचाप की रोकथाम व देखभाल विषय पर हुई कार्यशाला में बोल रहे थे। उन्होंने कहा हर व्यक्ति को साल में एक बार ब्लड प्रेशर की जांच करानी चाहिए, ताकि बीमारी की समय पर पहचान हो सके। डॉ. मिश्रा ने बताया कि शहरी-ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों में बीपी की जांच संग इलाज की व्यवस्था है। लोग स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर अपना ब्लड प्रेशर चेक कराते रहें। जांच रिपोर्ट सामान्य न हो तो डॉक्टरी सलाह पर इलाज कराएं। (माई सिटी रिपोर्टर)

SENCO GOLD & DIAMONDS

कि सेनकोवर्स का लॉन्च हमारी लिए यह महत्वपूर्ण कदम है। मेटावर्स पर वर्चुअल शोरूम लॉन्च

रोड टू मतसूरी कार्यक्र

लखनऊ (वि)। रोड टू मतसूरी फीनिक्स पलासियो मॉल में शनि

में शामिल लोगों के मनोरंजन के का लुत्फ उठाया। इसमें राजधानी सुजुकी का सराहनीय योगदान रह

कॉटन और सिल्क 100 स्टॉल लगाए

लखनऊ (वि)। कैसरबाग स्थित फैब-2023 प्रदर्शनी का शुक्रवार दानिश अंसारी ने उद्घाटन किया। 26 सितंबर 2023 तक चलेगी। आयोजक मानस आचार्य और जा बताया कि प्रदर्शनी में अलग-अल ब्राइडल वियर, सिल्क व कॉटन बेडशीट्स, भदोही की कालीन,

Helpline

दुबले-पतले (लड़के/लड़कियां) मोटे नही होते ज्यादा खाये आयुर्वेदिक औषधि द्वारा खाया पचा कर 15 दिनों में फर्क महसूस करें सेहत व वजन बढ़ायें। 9935056088

More than 25 years of Excellence Estd.1997 LASIK सम्पूर्ण सुविधाओं युक्त पुराने लखनऊ का एक मात्र आँख का अस्पताल • Dr. Tripti Bansal E-mail:- sumitraclinic@gmail.com Web:- www.sumitraecmc.in

लिए सम्पर्क करें 8845785

View All Pages | Page 2 of 6

Annexure 4: FOPL Social media